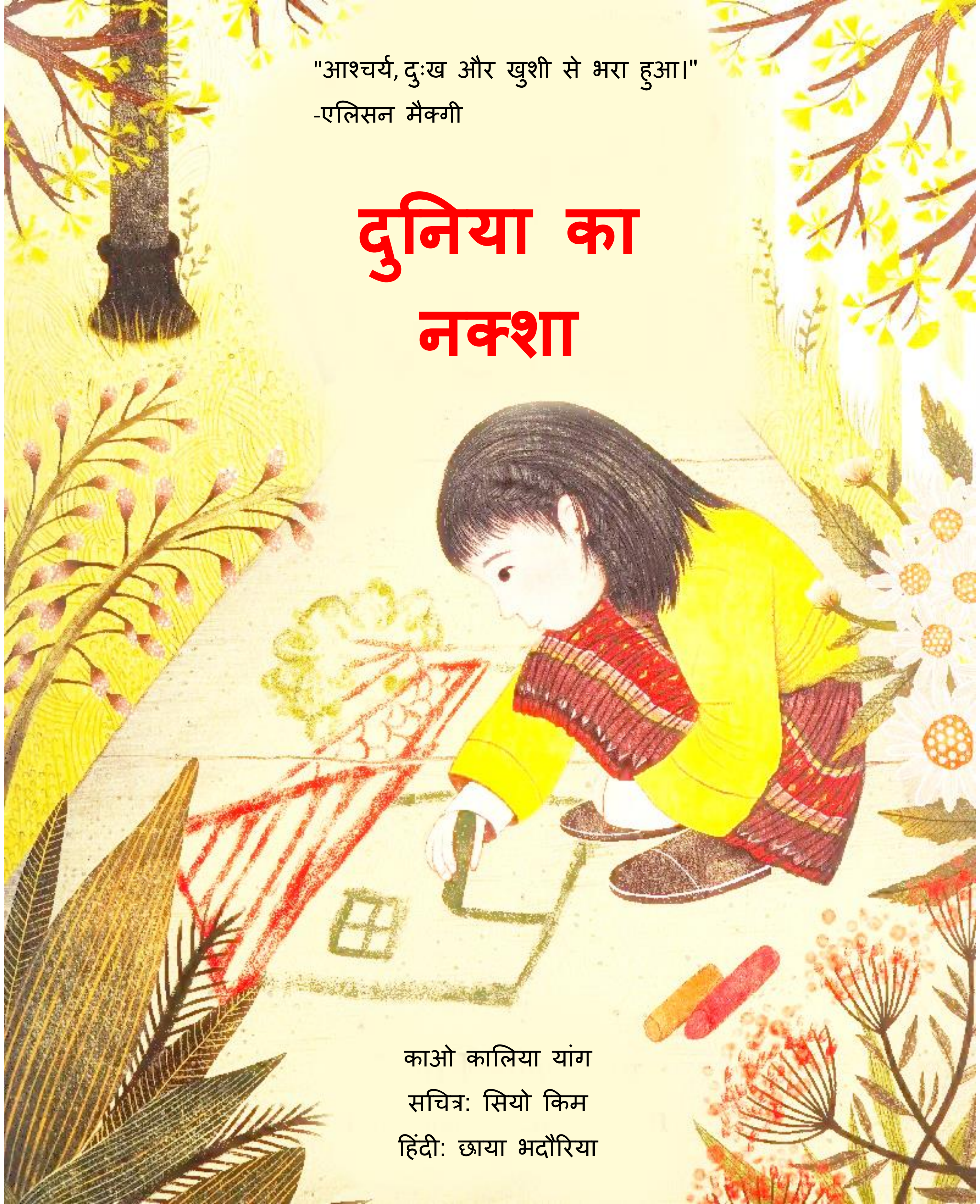
"आश्चर्य, दुःख और खुशी से भरा हुआ।"
-एलिसन मैक्गी

दुनिया का नक्शा



काओ कालिया यांग

सचित्र: सियो किम

हिंदी: छाया भदौरिया

एक तरबूज़ बड़ा और गोल हो रहा है।

एक पेड़ से गिरा हुआ पीला पत्ता।

मुट्ठी भर चमकती बर्फ़।

वसंत का पहला कीड़ा।

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे एक छोटी लड़की की दुनिया भी बदलती है। वह अपने परिवार के साथ एक नए घर में जाती है और जन्म और मृत्यु दोनों का सामना करती है। जैसे-जैसे यह जिज्ञासु लड़की अपने घर के अंदर और बाहर जीवन की खोज करती है, वह दुनिया के छोटे-छोटे अनुभव (टुकड़े) इकट्ठा करती है। लेकिन उसके खजाने किसके लिए हैं?

काओ कालिया यांग की पहली चित्रित पुस्तक एक युवा मोंग लड़की की हृदयस्पर्शी कहानी कहती है, जो व्यस्त दुनिया में सुंदरता और संबंध की तलाश कर रही है, जिसे **सियो किम** ने बहुत ही खूबसूरती से चित्रित किया है।





बॉब के लिए, जो रूथ से प्यार करता था -के.के.वाई.

मेरे परिवार और ऐरोन को, प्यार सहित -एस.के.



दुनिया का नक्शा



काओ कालिया यांग
सचित्र: सियो किम
हिंदी: छाया भदौरिया



पहली बार जब हमने झूले, फिसल पट्टी और बड़ी खिड़कियों वाले ग्रीन हाउस के बगीचे को देखा, तो मेरी माँ पिछवाड़े में एक कुर्सी पर बैठ गई और कहा कि वह उठना नहीं चाहती। टाई टाई और मैंने बगीचे को देखा, फिर उन्होंने टमाटर, हरी फलियों और एक तरबूज़ की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये सब मेरी माँ के पेट के रूप की तरह गोल हैं।

टाई टाई मिट्टी को छूने के लिए घुटनों के बल बैठ गईं।

मैंने अपनी माँ से पूछा कि क्या मैं झूला झूलने जा सकती हूँ, और उन्होंने कहा, "हाँ, बान्डाओ।"

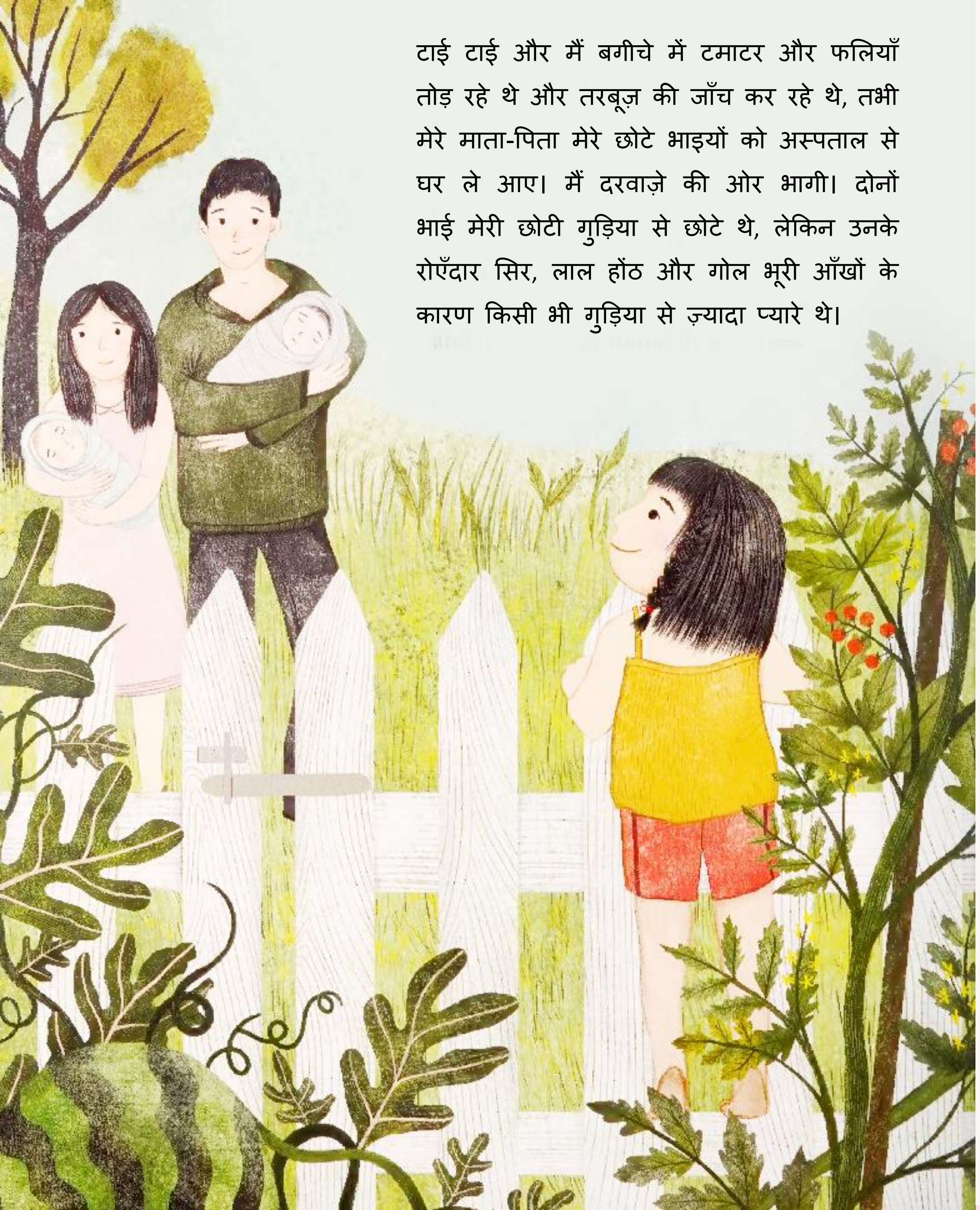


ग्रीन हाउस हमारा घर बन गया। मैंने लिविंग रूम की बड़ी खिड़की के पास खाली दीवार पर मोंग के अमेरिका पहुँचने की कहानी वाला कपड़ा टाँगने में टाई टाई की मदद की।

हमने खिड़की से एक बूढ़े आदमी और औरत को देखा। उन्होंने हाथ हिलाया। हमने भी हाथ हिलाया।



बाद में, मेरी माँ और पिताजी मुझे सड़क के उस पार ले गए। बूढ़े आदमी का नाम बॉब और बूढ़ी औरत का नाम रूथ था। एकदम करीब आकर मैंने देखा कि वे टाई टाई से भी ज़्यादा बूढ़े थे।



टाई टाई और मैं बगीचे में टमाटर और फलियाँ तोड़ रहे थे और तरबूज़ की जाँच कर रहे थे, तभी मेरे माता-पिता मेरे छोटे भाइयों को अस्पताल से घर ले आए। मैं दरवाज़े की ओर भागी। दोनों भाई मेरी छोटी गुड़िया से छोटे थे, लेकिन उनके रोएँदार सिर, लाल होंठ और गोल भूरी आँखों के कारण किसी भी गुड़िया से ज़्यादा प्यारे थे।



कुछ दिनों तक बच्चे बहुत ज़ोर से रोए। मैं कानों को अपने हाथों से ढक लिया करती थी और अपने पिता से मुझे बाहर ले जाने के लिए कहती थी। बॉब और रूथ अपनी विशेष बेंच पर बैठे होते थे। हम दूर से ही एक दूसरे को आगे-पीछे हाथ हिला दिया करते थे।



बॉब और रूथ के घर के पास लगे दो गिंग्को पेड़ों की पत्तियाँ खुबानी की तरह पीली हो गईं।

एक दिन, तेज़ हवा के झोकों से पंखे के आकार की पत्तियाँ उड़कर नीचे आ गईं। उन्होंने घास, सड़क और नाले के अँधेरे मुहाने को ढक लिया। बॉब ने पत्तियों को रेक से एक तरफ़ समेटा और रूथ बैठी देख रही थी।



मैं बच्चों को छूने के लिए एक पत्ता लाई, लेकिन मेरी माँ ने कहा, "वे अभी भी बहुत छोटे हैं, बान्डाओ।"

बर्फ़बारी ने हमारे आस-पास की दुनिया को शांत कर दिया। बॉब और रूथ ने बाहर आना बंद कर दिया। बर्फ़ के टुकड़े उनके आने वाले रास्ते पर गिर रहे थे और धूसर रोशनी में चमक रहे थे।

मैंने अपने भाइयों के लिए बर्फ़ का एक गोला बनाया, लेकिन उनके नींद से जागने से पहले ही वह पिघल गया।





रात में, मैं अपने घर की बड़ी खिड़की से बाहर देखती थी कि बॉब और रूथ के घर की लाइटें अंधेरी सड़क पर चमक रही हैं। कभी-कभी मुझे एक व्यक्ति की परछाईं दिखाई देती थी जैसे वो मेरी ओर देख रही हो। मैं हाथ हिलाती, लेकिन परछाईं वाले व्यक्ति ने कभी हाथ नहीं हिलाया।



एक ठंडी सुबह, हमारे ब्लॉक में गाड़ियों की लाइन लग गईं, सड़क भर गई। कार के दरवाज़े ज़ोर से बंद हो रहे थे और मोटी जैकेट पहने पुरुष और महिलाएँ बॉब और रूथ के घर की ओर तेज़ी से चल रहे थे।

मेरे पिता ने कहा, "रूथ मर गई है। उसका परिवार उसे अलविदा कहने आ रहा है।"

मुझे रूथ के लिए दुख हुआ। मेरे भाई बस ऊपर रखे खिलौनों से खेल रहे थे।



अगले दिन और उसके अगले दिन भी गाड़ियाँ आती-जाती रहीं। मैं बड़ी खिड़की के पास अपने पैर की उँगलियों पर आगे-पीछे झूलती रही।

मैंने अपने एक भाई को उठाने की कोशिश की ताकि लोग देख सकें कि वह कितना प्यारा है, लेकिन वह रोने लगा और मेरी माँ ने कहा, "तुम अभी भी उसे उठाने के लिए बहुत छोटी हो, बान्डाओ।"

मोंग नव वर्ष के बाद, मेरे छोटे भाइयों ने खुद बैठना सीख लिया और हम सब एक साथ खिड़की से बाहर देखने के लिए बैठते थे। जब कोई विमान आसमान में उड़ता था तो मैं उनके लिए ताली बजाती थी। वे हर बार हँसते थे।



सड़क के उस पार का घर खाली लग रहा था। गिंग्को के पेड़ अपनी पतली उँगलियों से आसमान की ओर बढ़ रहे थे।



जब बर्फ़ पिघलनी शुरू हुई, तो मैं झूले, स्लाइड और बगीचे में वापस जाने के लिए बेताब थी। मेरे छोटे भाई पूरे फ़र्श पर, मेज और कुर्सियों के नीचे रेंगते रहते थे। वे पिल्लों की तरह थे, उनकी जीभ हर चीज़ को चाट रही थी।





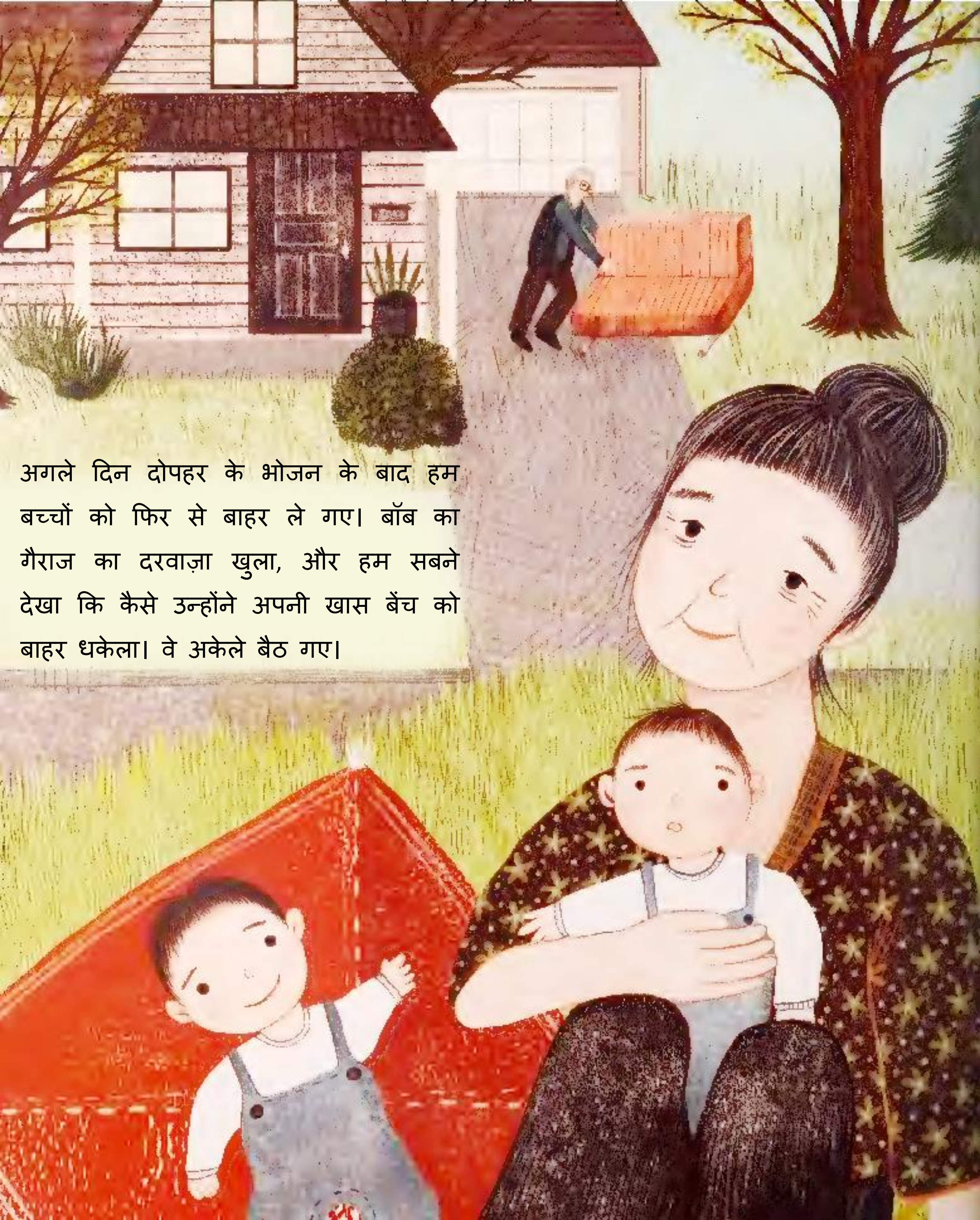
मुझे फुटपाथ पर वसंत का पहला कीड़ा मिला और मैंने उसका नाम एनेट रखा। मैं उसे घर के अंदर लाना चाहती थी ताकि मेरे भाई उसे हिलते-डुलते देख सकें, लेकिन मेरी माँ ने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता, बान्डाओ।"

दुनिया फिर से हरी हो गई, और आखिरकार, हम सब बाहर गए। टाई टाई ने हरी प्याज़ लगाई। मैंने अपने भाइयों के लिए बकाइन की झाड़ियों से फूल तोड़े ताकि वे उन्हें सूँघ सकें।

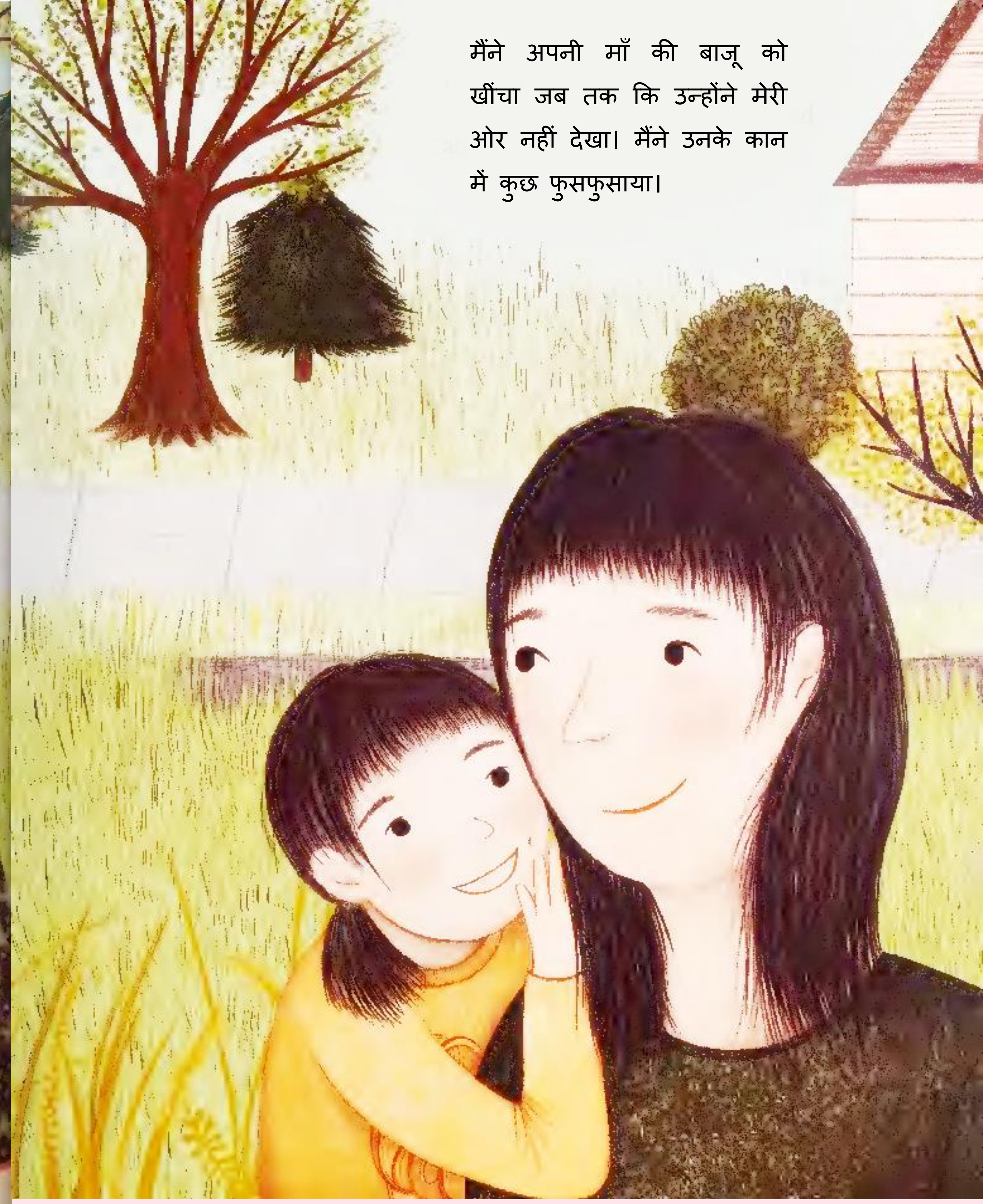


उन्होंने अपना मुँह खोला और उन्हें खाने की कोशिश की। मेरी माँ ने कहा, "उन्हें फूल खाने मत दो, बान्डाओ।"

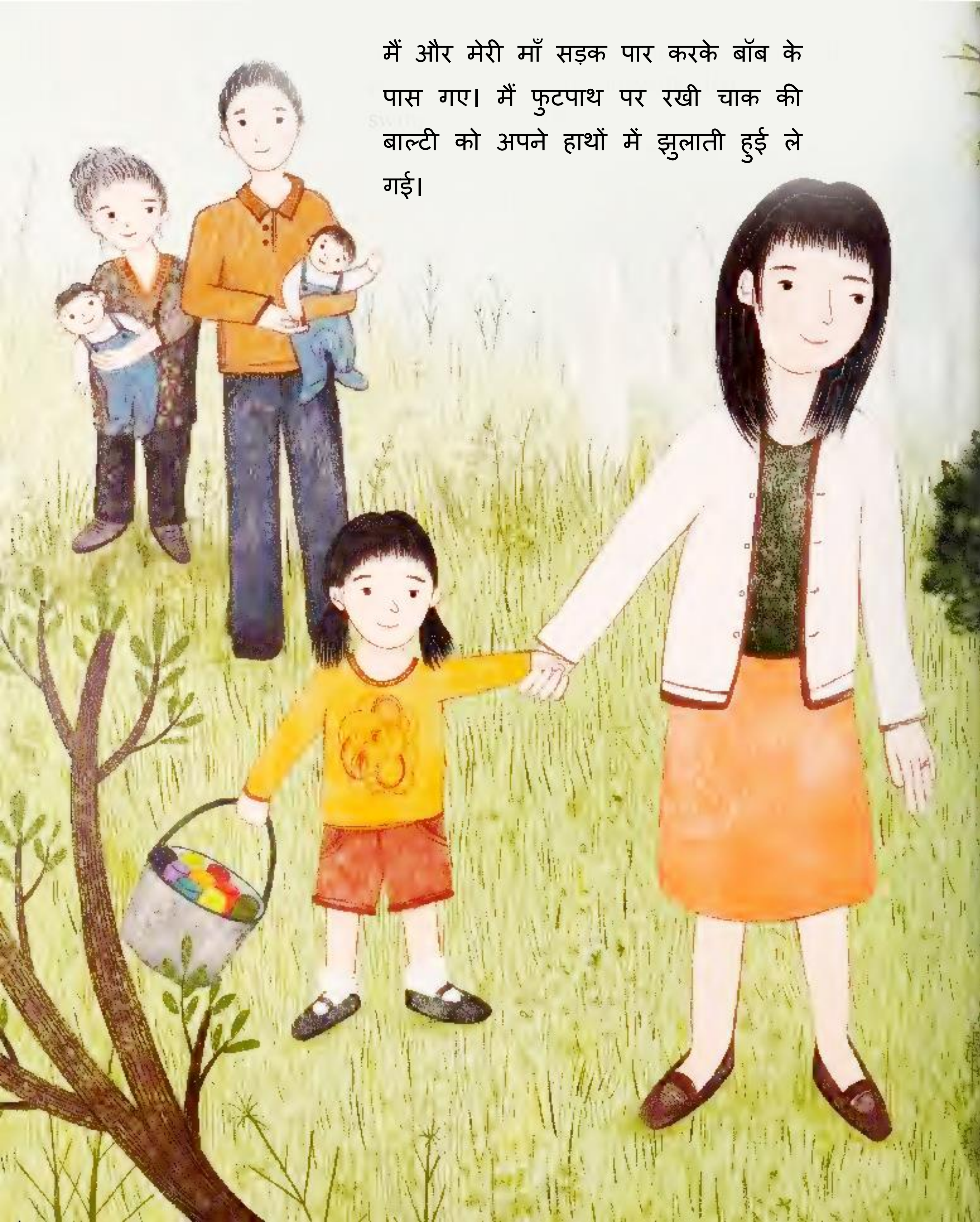




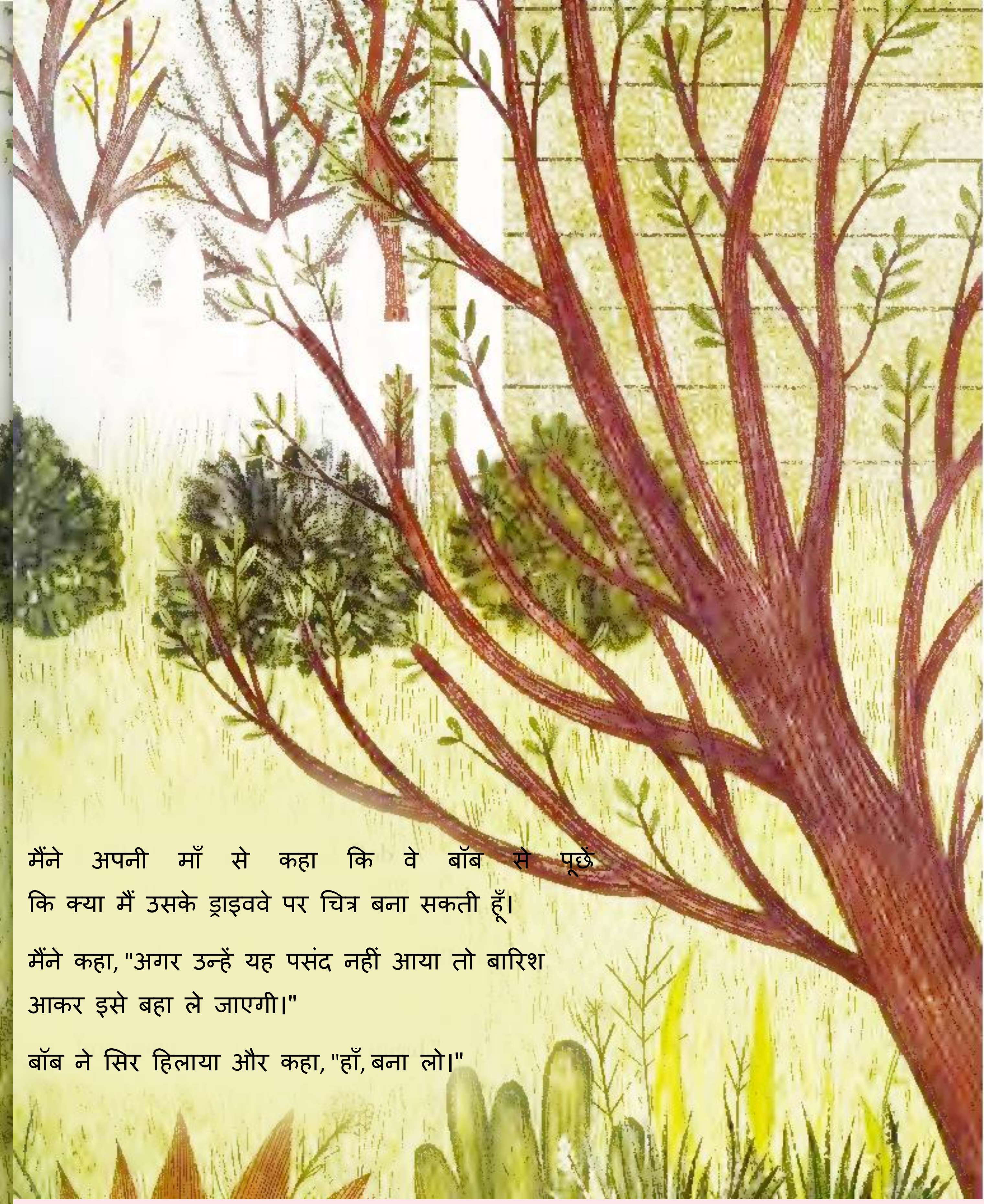
अगले दिन दोपहर के भोजन के बाद हम बच्चों को फिर से बाहर ले गए। बॉब का गैराज का दरवाज़ा खुला, और हम सबने देखा कि कैसे उन्होंने अपनी खास बेंच को बाहर धकेला। वे अकेले बैठ गए।



मैंने अपनी माँ की बाज़ू को खींचा जब तक कि उन्होंने मेरी ओर नहीं देखा। मैंने उनके कान में कुछ फुसफुसाया।



मैं और मेरी माँ सड़क पार करके बॉब के पास गए। मैं फुटपाथ पर रखी चाक की बाल्टी को अपने हाथों में झुलाती हुई ले गई।



मैंने अपनी माँ से कहा कि वे बॉब से पूछें कि क्या मैं उसके ड्राइववे पर चित्र बना सकती हूँ।

मैंने कहा, "अगर उन्हें यह पसंद नहीं आया तो बारिश आकर इसे बहा ले जाएगी।"

बॉब ने सिर हिलाया और कहा, "हाँ, बना लो।"

मेरी माँ और बॉब धीमी आवाज़ में बात कर रहे थे। मैं बॉब को यह कहते हुए सुन सकती थी, "रूथ, वह साठ साल तक मेरे साथ थी..."

मैंने अपने चित्र की शुरुआत एक आँसू की बूँद से की।





और फिर मैंने इसे धूप की तरह फैला दिया। मैंने बिखरे हुए सूरज से दूर कई दिशाओं में रेखाएँ खींचीं...

मैंने एक रेखा खींची जो बगीचे की ओर जाती थी। वहाँ मैंने एक पीली गिंग्को की पत्ती रख दी।

मैंने एक रेखा खींची जो घास तक जाती थी। वहाँ मैंने चमकती हुई बर्फ़ बनाई।





मैंने फुटपाथ पर एक रेखा खींची। वहाँ मैंने एनेट नाम का एक मुस्कुराता हुआ कीड़ा रख दिया।

मैंने अपने घर की ओर एक तीर खींचा। वहाँ मैंने बकाइन के फूल जोड़े।

और फिर मैंने सड़क पर एक रेखा खींची, जो कि सबसे बड़ी रेखा थी, और वहाँ मैंने पूरी दुनिया बना दी।

जब मेरा काम पूरा हो गया, तो मैं चुपचाप अपनी माँ और बॉब के पास चली गई। उन्होंने बात करना बंद कर दिया और बॉब ने मुझसे हाथ मिलाया।

"तुमने मेरे लिए क्या बनाया?" उन्होंने पूछा।



मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "दुनिया का एक नक्शा। बस अगर आपको इसकी जरूरत पड़े तो।"





बॉब ने कहा,

"हाँ, मुझे इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।"





काओ कालिया यांग एक मोंग अमेरिकी लेखिका हैं और उन्होंने पुरस्कार विजेता पुस्तकों *द लेटहोमकमर: ए मोंग फैमिली मेमोयर* और *द सॉन्ग पोएट* की रचना की है। वह अपने पति, अपनी बेटी और जुड़वां बेटों के साथ मिनेसोटा में रहती हैं। यह उनकी पहली चित्रित पुस्तक है। हालाँकि उनके परिवार को रूथ को अच्छी तरह से जानने का मौका नहीं मिला, लेकिन बॉब एक प्रिय मित्र और पड़ोसी हैं। www.kaokaliayang.com पर उनसे ऑनलाइन मिलें।



दक्षिण कोरिया की मूल निवासी सियो किम अपना समय बुसान, दक्षिण कोरिया और बाल्टीमोर, मैरीलैंड के बीच व्यतीत करती हैं। वह टोवसन विश्वविद्यालय में चित्रण कार्यक्रम की प्रमुख हैं और ऑस्ट्रेलिया और यू.के. में प्रकाशकों के साथ काम कर चुकी हैं। *ए मैप इनटू द वर्ल्ड* उनकी पहली चित्रित पुस्तक है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रकाशित हुई है। www.seokim.com



"पूरी तरह दिल की गहराइयों और आशाओं से भरी। यह बिल्कुल वैसी ही किताब है जिसे मैं अपनी बेटी को पढ़ाना चाहता हूँ, और मेरी इच्छा है कि मैं हर बच्चे को इसकी एक प्रति दे सकूँ। शक्तिशाली, सुंदर और उत्कृष्ट।"

-न्यूबेरी मेडलिस्ट और न्यूयॉर्क टाइम्स के बेस्टसेलिंग लेखक मैट डे ला पेना

"स्पष्ट, सहज और सुंदर भाषा के साथ, जिसकी हम उनसे अपेक्षा करते हैं, काओ कालिया यांग ने अपनी पहली बच्चों की किताब को सामने रखा है, एक यात्रा जो हमारे हर कदम को पुरस्कृत करने के लिए इंतजार कर रही है। यह दुखद लेकिन उत्साहजनक काम हमें याद दिलाता है कि यह कितना महत्वपूर्ण है कि हम अपने पड़ोसियों की देखभाल करें, और ऐसा करने में, हम पा सकते हैं कि हम इतने अलग नहीं हैं - एक संदेश जिसकी हमारे बच्चों को अब, पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है।"

-बाओ फी, ए डिफरेंट पॉन्ड के लेखक

"एक युवा मोंग लड़की अपने नए घर में बस जाती है, और जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे उसके आस-पास की दुनिया भी बदलती है। ए मैप इनटू द वर्ल्ड प्यार और नुकसान, परिवार और दोस्ती के बारे में एक सुंदर और उम्मीद भरी कहानी है, और यह हर पाठक के हाथों में होनी चाहिए।"

-सारा पार्क डाहलेन, सेंट कैथरीन यूनिवर्सिटी में एमएलआईएस प्रोग्राम में एसोसिएट प्रोफेसर

